ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 46 **अंक 1** **जनवरी 2022**

इस अंक में

संवाद 3

लेख

1. प्राथमिक स्तर के बच्चों की भाषायी अभिव्यक्ति में डिजिटल डिवाइस आधारित अनुदेशन की प्रभावशीलता का अध्ययन — रवीन्द्र कुमार, सुरक्षा — 5
2. आधुनिक समाज में पुस्तकालय का महत्व — मूर्त्तिमती सामन्तराय — 14
3. स्कूल से पहले — मोईनुद्दीन खान — 21
4. शिक्षा का अधिकार और प्रारंभिक शिक्षा के निजीकरण में वंचितों का सवाल
   एक नीतिगत समीक्षा — सुधांशु कुमार सिंह — 31
5. गणितीय विश्वास— प्राथमिक स्तर पर गणित शिक्षा में एक छिपा हुआ चर — पुष्पेन्द्र यादव — 38
6. सुनहरी की पहिया कुर्सी — भारती कौशिक, याशु गांधी — 48
7. सरकारी विद्यालयों के कक्षा 8 में विद्यार्थियों की पुनरावृत्ति (रिपिटेशन) की प्रघटना का अध्ययन — उमेश गुप्ता — 54
8. आलोचनात्मक शिक्षणशास्त्र के निहितार्थ — शशि रंजन, सुहासिनी बाजपेयी शुक्ल — 66
9. *शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009* के अंतर्गत संचालित विशेष प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययनरत विद्यार्थिओं पर कोविड-19 के कारण व्यवहार में आए परिवर्तन के कारणों का अध्ययन — सरला वर्मा — 77

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी NCERT

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं–
(i) अनुसंधान और विकास,
(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।
यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।
उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है–
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

विशेष

10. गणित शिक्षणशास्त्र 86

बालमन कुछ कहता है

11. कोरोना वाणी वत्स 115

कविता

12. मेरी पेंसिल आबान सिद्दिकी 116